I NEXT

छूटे विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल एग्जाम चार को

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएससी प्रथम व तृतीय सेमेस्टर (एनईपी) केमिस्ट्री के छूटे हुए और एग्जेप्टेड स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम चार फरवरी को सुबह 10 बजे से होगी. इसमें शामिल होने वाले स्टूडेंट्स को केमिस्ट्री विभाग में एक फरवरी तक प्रार्थना पत्र देना होगा. कालेजों के स्टूडेंट्स को आवेदन फार्म अपने प्राचार्य से अग्रसारित कराकर जमा करना होगा. एग्जेम्प्टेड स्टूडेंट्स को 500 रुपये फीस एलयू के आनलाइन पोर्टल पर जमा करनी होगी.

ताइक्वांडो और गटका ट्रायल सात फरवरी को

एलयू जोन इंटर यूनिवर्सिटी खेल प्रतियोगिता 2025-26 में सहभागिता के लिए ताइक्वांडो एवं गटका (पुरुष/महिला) खेलों के चयन ट्रायल सात फरवरी को सुबह 10 बजे से आयोजित करेगा. ताइक्वांडो का ट्रायल लवि के महाराज सिंह जिम्नेजियम में सुबह 10 बजे से होगा, जबकि गटका खेल के लिए ट्रायल विश्वविद्यालय के प्रांजपे पवेलियन ग्राउंड में होगा. सभी प्रतिभागियों को छह फरवरी तक स्वयं उपस्थित होकर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा.

NBT

LU के विभागों में होगी लाइब्रेरियन की तैनाती

■ NBT रिपोर्ट,लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में पिछले एक साल से टैगोर लाइब्रेरी में बैठ रहे छह असिस्टेंट लाइब्रेरियन को अब LU की डिपार्टमेंटल लाइब्रेरी में तैनात करने का आदेश जारी किया गया है। इनकी नियुक्ति एक साल पहले विभागों की लाइब्रेरी के लिए हुई थी, लेकिन नियुक्ति के बाद से सभी असिस्टेंट लाइब्रेरियन टैगोर में ही बैठ रहे थे। विवि के नए वीसी प्रो. जेपी सैनी ने हाल में डिपार्टमेंटल लाइब्रेरी का निरीक्षण किया था।

DAINIK JAGRAN

छूटे विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा चार को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बी.एससी प्रथम व तृतीय सेमेस्टर (एनईपी) केमिस्ट्री के छूटे हुए और एग्जेप्टेड विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा चार फरवरी को सुबह 10 बजे से होगी। इसमें शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं को केमिस्ट्री विभाग में एक फरवरी तक प्रार्थना पत्र देना होगा। कालेजों के विद्यार्थियों को आवेदन फार्म अपने प्राचार्य से अग्रसारित कराकर जमा करना होगा। वहीं, एग्जेम्प्टेड छात्रों को 500 रुपये शुल्क लवि के आनलाइन पोर्टल पर जमा करनी होगी। वि.

AMRIT VICHAR

लविवि में प्रायोगिक परीक्षा की तिथि घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बी.एससी. सेमेस्टर प्रथम एवं तृतीय रसायन विज्ञान की प्रायोगिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी है। यह परीक्षा बचे हुए व छूट प्राप्त विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के ऐसे छात्र भी इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार यह प्रायोगिक परीक्षा 4 फरवरी को 10 बजे से आयोजित की जाएगी। परीक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की बी.एससी. प्रयोगशाला में संपन्न होगी। परीक्षा में सम्मिलित होने के इच्छुक विद्यार्थियों को 1 फरवरी तक रसायन विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करना होगा।

DAINIK JAGRAN

'पूर्वजों के दिखाए गए मार्ग पर आगे बढ़ें विद्यार्थी'

- 'भारत का स्व-बोध' विषय कार्यक्रम की अध्यक्षता में बोले प्रो. संजय गुप्ता
- बौद्धिक, सांस्कृतिक, कूटनीतिक, आध्यात्मिक और सामरिक क्षेत्र में भारत करेगा विश्व का नेतृत्व

<< व्याख्यान को संबोधित करते लवि के राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता ● सौ स्वयं

लखनऊ : 'आज का युवा भौतिकता की चकाचौंध में फंसकर अपने वास्तविक लक्ष्य से भटक रहा है। ऋषि, मुनि, संत और विद्वान हमारे लिए केवल ऐतिहासिक पुरुष नहीं, बल्कि प्रेरक विभूतियां हैं। आज के समाज को इन आदर्शों को अपनाने की महती आवश्यकता है। पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण के बजाय विद्यार्थी अपने पूर्वजों द्वारा दिखाए गए त्याग और तपस्या के मार्ग पर आगे बढ़ें'। यह विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता ने रखे। वह बुधवार को लवि के राजनीतिशास्त्र विभाग एवं सेवाज्ञ संस्थानम् के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे।

"भारत का स्व-बोध" विषय पर हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. संजय गुप्ता ने कहा, 'भारतीय अर्थशास्त्र,राजनीति शास्त्र सहित ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों के आचार्यों के सिद्धांतों को आज के संदर्भ में समझने और समझाने की जरूरत है। उन्होंने देश की युवा पीढ़ी, विशेषकर 'जेन जी' के योगदान और भारतीय दर्शन की वैश्विक प्रासंगिकता पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा पर चर्चा करते हुए यह स्पष्ट किया कि हमारी संस्कृति कभी भी एकांगी नहीं रही है। प्राचीन काल से ही हमें शस्त्र और शास्त्र दोनों में पारंगत होने की शिक्षा दी गई है। इतिहास के कुछ कालखंडों में हम शस्त्रों के मामले में पिछड़ गए थे, लेकिन वर्तमान परिदृश्य तेजी से बदल रहा है।

शीघ्र ही बौद्धिक, सांस्कृतिक, कूटनीतिक, आध्यात्मिक और सामरिक क्षेत्र में भारत विश्व का नेतृत्व करेगा। इस अवसर पर राजनीति शास्त्र विभाग के शिक्षक डा. राघवेन्द्र प्रताप सिंह, डा. अमित कुमार कुशवाहा, डा. तुंगनाथ मौर, ज्योतिर्विज्ञान विभाग के समन्वयक डा. श्यामलेश कुमार तिवारी और पूर्व आइएएस अधिकारी एवं कवि राकेश मिश्र की विशेष उपस्थिति रही। दैनिक जागरण के संपादक (उत्तर प्रदेश) आशुतोष शुक्ल ने कहा कि भारतीय मनीषा मनुष्यों में भेदभाव नहीं करती। यही वह दृष्टि है जो हमें 'वसुधैव कुटुम्बकम' का पाठ पढ़ाती है। कार्यक्रम का संचालन आदर्श द्विवेदी ने किया। वि.